

Hindi Murli Quiz 22-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है। मुरली सुनने के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें। पुरानी क्विज के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें।

- Q.1)** भविष्यफल के पहले प्रत्यक्षफल खाने के लिए बापदादा ने बच्चों को चेन्ज होने के लिए कहा है। उसके आधार पर बनी यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें --

	Choice	Match
A	वर्तमान समय सम्पर्क में आने वाले बोलते हैं कि आप लोगों का त्याग बहुत बड़ा है,	लेकिन अब यह बोल कहें कि आप लोगों का भाग्य बहुत बड़ा है।
B	अभी तक भाग्य के वजाए उनको बच्चों का त्याग दिखाई देता है,	भाग्य अभी गुप्त है। उसे प्रत्यक्ष करना है।
C	मेहनत से निकल स्नेह की, मोहब्बत की गोदी में आ जाओ,	चल रहे हैं, नहीं। लेकिन चला रहे हैं।
D	सदा हज़ूर को बुद्धि में हाज़िर रखो ,	तो सर्व प्राप्तियाँ चुम्बक के समान आपेही आकर्षित होती आयेंगी।
E	डायरेक्ट बीज से निकले हुए तना स्वरूप बच्चे हो,	ऐसे बच्चों को सर्व सहज प्राप्तियाँ का अनुभवी बनना है।

- Q.2)** इस संगम पर ही एक कदम अर्थात् एक संकल्प बच्चे करते हैं कि बाबा हम आपके हैं और रिटर्न में बाप हर संकल्प, बोल और कर्म में अनुभव कराते हैं कि बाप आपका है। एक संकल्प का रिटर्न कि सारे संगमयुग की जीवन में बाप आपका ही हो जाता है। इसलिए जब चाहो, जैसे चाहो, जो चाहो, बाप सर्वेन्ट रूप में बाँधे हुए हैं। तो एक का लाख गुणा तो क्या लेकिन अनगिनत बार का रिटर्न मिलता है।

- A. ☐ False
B. ☒ True

- Q.3)** शब्दों को अर्थों के अनुसार ही मिलाएं --

	Choice	Match
A	बच्चों की अन्तिम स्टेज	विकर्माजीत स्टेज, विकल्प या व्यर्थ संकल्प-मुक्त स्टेज।
B	कई समझते हैं कि बाप- दादा का वायदा 'एक दो और लाख लो', भविष्य के लिए है,	लेकिन नहीं। यह वायदा संगमयुग का ही है।
C	सर्व श्रेष्ठ जन्म, सर्व श्रेष्ठ टाइल, सर्व प्राप्तियाँ का अनुभव संगमयुग के हैं,	भविष्य तो है ही लेकिन भविष्य से भी वर्तमान श्रेष्ठ है।
D	संगमयुग का महत्व कभी नहीं भूलना,	इस संगमयुग को वरदान है कि स्वयं वरदाता ही आपका है।
E	हज़ूर आपका है तो सर्वप्राप्तियाँ हाज़िर हैं,	बीज आपका है तो यह सब फल आपके हैं।

- Q.4)** बापदादा ने पुरुषार्थियों में दो प्रकार के बच्चे देखे। पहले वे जो पुरुषार्थ करते हुए पुरुषार्थ की प्रारब्ध अर्थात् प्राप्ति साथ-साथ अनुभव करते चल रहे हैं। कभी भी थकावट महसूस नहीं करते बल्कि मोहब्बत में मस्त रहते हैं। इसका कारण है - वे सदैव संकल्प से भी सरेन्डर हैं, इसलिए यह अनुभव करते कि हमें बाप-दादा चला रहे हैं। सर्व प्राप्तियाँ की अनुभूति होने के कारण वह सदा खुशी में, आन्तरिक सुख में, सर्व शक्तियों से उड़ते रहते हैं।

- A. ☒ True / ये वाक्य सही है
B. ☐ False / ये वाक्य गलत है

- Q.5)** बापदादा ने पुरुषार्थियों में दो प्रकार के बच्चे देखे। दूसरी प्रकार के वे जो सिर्फ पुरुषार्थ में ही लगे हुए हैं। मेहनत ज्यादा, प्राप्ति का अनुभव कम होता है, इसलिए चलते-चलते थक भी जाते हैं। इसका कारण है उनका संकल्प। वे समझते हैं कि हम स्वयं चल रहे हैं, चलना पड़ता है, सामना करना पड़ता है।

- A. ☒ True / ये वाक्य सही है
B. ☐ False / ये वाक्य गलत है

- Q.6)** संगमयुग में बीज आपके हाथ में हैं, जिस बीज द्वारा सेकेण्ड में जो चाहो वह ले सकते हो। सिर्फ संकल्प करने की बात है। शक्ति चाहिए, सुख चाहिए, आनन्द चाहिए, सब आपके लिए जी हाज़िर है क्योंकि हज़ूर ही आपका है। जैसे स्थूल सेवाधारी बुलाने से हाज़िर हो जाते हैं वैसे यह सर्व प्राप्तियाँ संकल्प से हाज़िर हो जायेंगी।

- A. ☐ False
B. ☒ True

Q.7) वरदान और स्लोगन पर आधारित कुछ वाक्य नीचे दिये गए हैं। सभी सही वाक्यों का चयन करें --

- A. ☒ स्व को देखो, बाप को देखो औरों को नहीं देखो।
- B. ☐ श्रीमत में मनमत और जनमत की मिलावट करना- यह अमानत में ख्यानत नहीं है।
- C. ☒ बाप ने बच्चों को सभी खजाने स्व कल्याण और विश्व कल्याण के प्रति दिये हैं।
- D. ☒ बाप से प्राप्त खजानों को व्यर्थ तरफ लगाना वा अकल्याण के कार्य में लगाना-यह अमानत में ख्यानत है
- E. ☒ सदा हार्षित वही रह सकते हैं जो कहीं भी आकर्षित नहीं होते हैं।

Q.8) शब्दों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं -----

	Choice	Match
A	जिन माताओं को दुनिया वालों ने ठुकराया,	उन्हें बाप ने ठाकुर बना दिया।
B	आधा कल्प चैतन्य में पूज्य के रूप में हो,	आधाकल्प जड़ चिन्नों के रूप में पूजे जाते हो।
C	तुम्हारा असली कार्य है विश्व- परिवर्तन का,	विश्व परिवर्तन वही कर सकते हैं जो पहले स्वयं का परिवर्तन करते हैं।
D	यह मरजीवा जन्म है ही प्रत्यक्षफल खाने के लिए,	किया और प्राप्ति हुई। मेहनत की जरूरत नहीं।
E	जो अभी सदा अतीन्द्रिय सुख के झूले में झूलते,	वही श्रीकृष्ण के साथ-साथ झूलेंगे।

Q.9) संगमयुग को वरदान है कि वरदाता ही आपका है इसलिए सेकेण्ड में अपने संकल्प द्वारा जो चाहो वह ले सकते हो। परन्तु बच्चे लेने के लिए तो तैयार हो जाते हैं लेकिन छोड़ने वाली चीज भी फिर ले लेते हैं। इसलिए विस्तार में जाने से सार अथवा बीज को छोड़ देते हैं। परिणाम स्वरूप ----

[सभी सही वाक्यों का चयन करें]

- A. ☒ मेहनत की रेखायें ज्यादा नजर आती हैं, प्राप्ति की रेखायें कम नजर आती हैं।
- B. ☒ प्रत्यक्षफल की बजाय भविष्य फल के उम्मीदवार बन जाते , इसलिए खुशी की झलक सदा नजर नहीं आती।
- C. ☒ बच्चे फिर खाली हो जाते हैं और अपने को भरपूर करने की मेहनत करते हैं।
- D. ☒ बीज छूट जाने के कारण प्रत्यक्षफल की प्राप्ति नहीं हो पाती, इसलिए थक जाते हैं।
- E. ☒ त्याग की महसूसता ज्यादा होती है, भाग्य की महसूसता कम होती है।

Q.10) संगमयुगी ब्राह्मण बच्चे जियेंगे, चलेंगे हर कदम में स्नेह की गोदी में। -----की निशानी है- सदा खुशी की झलक प्रत्यक्ष रूप में दिखाई देगी। खुशी नहीं तो -----भी नहीं।

[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से सभी रिक्त स्थान भरें]

- A. ☐ तीव्र पुरुषार्थी
- B. ☐ बेहद का वैरागी
- C. ☐ सतोप्रधान आत्मा
- D. ☒ ब्राह्मण जीवन